Title: Need to supply fertilizers and seeds in the States of Punjab, Haryana, Uttar Pradesh and Bihar.

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (पटियाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे पुनः विनती करता हूं कि पंजाब और हरियाणा के किसानों का यह एक बहुत अहम मामला है। गेहूं की बुवाई शुरु हो गई है, पैसा नहीं मिला है। धान की फसल बहुत खराब हो गई है। हजारों करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है। केन्द्र की ओर से टीम गई थी, उसने सारा सर्वे भी कर लिया था लेकिन कोई पैसा अभी तक नहीं मिला। आज सभी चावल मिलें बंद पड़ी हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not the proper way.

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : अगर आप समय नहीं देंगे तो हम चले जाते हैं। ... (व्यवधान) हर मामले पर यहां विचार किया जाता है, हमारे मामले पर ही विचार नही किया जाता। दो स्टेट का मामला है। सभी मामलों पर यहां विचार किया जाता है। हमें दो मिनट नहीं दिये जाते।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have appealed to the hon. Members that we will take up `Zero Hour' tomorrow. Today, we have more important business. Prof. Chandumajra, what is your submission?

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): यह अविलंबनीय लोक महत्व का मामला है। ... (व्यवधान) गेहूं, आलू और प्याज सबकी बुवाई शुरु है।

... (व्यवधान)

इसमें देरी करने से

... (व्यवधान)

>

श्री चन्द्रशेखर : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल एक बहुत अहम सवाल है। किसानों की फसल बहुत बर्बाद हुई है। उन्हें खाद और बीज नहीं मिला और देश में बोने का समय समाप्त हो रहा है। हरियाणा और पंजाब ऐसे दो राज्य हैं जहां की फसल पर सारे देश की खाद्य समस्या निर्भर करती है। अगर हरियाणा और पंजाब को भी खाद और बीज नहीं मिलेगा तो हालत क्या होगी? वहां किसान की फसल बहुत ज्यादा बर्बाद हो चुकी है। हमारे मित्र जो दुखी हैं, इसमें बड़ी वास्तविकता है। मैं समझता हूं कि यहां कृषि मंत्री जी नहीं हैं। पता नहीं कौन से कृषि मंत्री हैं, मुझे नहीं मालूम।

... (व्यवधान)

वही हालत बिहार और उत्तर प्रदेश की है। मैं बिहार और उत्तर प्रदेश में गया था, वहां फसल की बहुत बर्बादी हुई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि समस्या के प्रति विशेष ध्यान दिया जाए।

MR. SPEAKER: What is your submission?

प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा: मैं चन्द्रशेखर जी का धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारी भावनाओं को समझा और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया। मैं भी यही कहना चाहता हूं कि पंजाब और हरियाणा का किसान सारे देश का पेट भरता है और उसकी यह दुर्दशा हो रही है। इस बारे में सोचने और इस स्थिति को संभालने की जरूरत है। केन्द्र की ओर से मुआवजा देने के लिए टीम गई थी, उसने रिपोर्ट भी भेज दी है लेकिन अभी तक कम्पेनसेशन नहीं दिया गया। हजारों करोड़ों रुपये का धान बारिश, फ्लड तथा वॉटर लॉगिंग के कारण बर्बाद हो गया है। गेहूं की बुवाई नहीं हो रही है। किसान रो रहा है कि पैसा कहां से आये, इसलिए मैं समझता हूं कि माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो पंजाब में जाकर कम्पेनसेशन देने के लिए एनाउंस किया था, वह पैसा पंजाब और हरियाणा को मिलना चाहिए। अगर यह पैसा पंजाब और हरियाणा को मिल जाएगा तो किसानों का जो डैमेज हुआ है, उनको मुआवजा मिल सकेगा।

MR. SPEAKER: What is your submission?

>

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : खाद और पानी देश भर के सभी किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा मगर अभी तक बिहार और उत्तर प्रदेश में किसानों को कहीं भी खाद नहीं मिली है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस सदन में वक्तव्य दिया था कि यह सदन सर्वोपरि है। यह ९० करोड़ जनता की आवाज का सदन है। मैं आपसे मांग करता हूं कि इस मामले में सरकार को निश्चित रूप से रुचि लेनी चाहिए और बिहार तथा उत्तर बिहार, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों को निश्चित रूप से खाद उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

... (व्यवधान)

आपका निदेश चाहिए।

>

श्री राजवीर सिंह (आंवला): महोदय, उत्तर प्रदेश में भयंकर बाढ़ आई थी, जिससे वहां की फसलें चौपट हो गई और किसान परेशान हो रहा है। किसानों को बाढ़ राहत पूरी नहीं मिल रही है। किसानों के मकान गिर गए हैं। उनके खेतों की धान बाढ़ में बह गई है और जो फसल बची, वह सड़ गई। मेरा आपके माध्यम से नि वेदन है कि हमारे उत्तर प्रदेश के किसानों को तुरन्त बाढ़ राहत उपलब्ध कराई जाए। केन्द्रीय सरकार को आप निर्देश दें कि वहां पर इसकी व्यवस्था कराए। साथ ही खाद की सप्लाई भी कमजोर हो रही है।

DAP

का अभाव है। इसका कारण यह है कि किसानों को अपने खेतों में बुआई एक दम करनी पड़ी, इसलिए खाद की अधिक आवश्यकता पड़ गई। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि खाद की व्यवस्था शीघ्र कराए।

>

श्री कल्पनाथ राय (घोसी) : महोदय, जैसा चन्द्रशेखर जी ने कहा है, उसको ध्यान में रखते हुए, मेरा आपसे निवेदन है कि आप सरकार को डायरैक्टिव दें कि उत्तर प्रदेश और बिहार में खाद की व्यवस्था शीघ्र कराए।

MR. SPEAKER: Would the Government like to respond to it?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing, except what Shri Gehlot is speaking, would go on record.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: No, the Government has already noted it.

Shri Gehlot, please continue.

MR. SPEAKER: Nothing, except what Shri Gehlot is speaking, would go on record. (Interruptions)*

श्री थावरचन्द गहलोत (शाजापुर): महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने कल सदन में एक हजार के नोट छापने का विधेयक प्रस्तुत किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं और इसके समर्थन में मैंने कल अपने कुछ विचार व्यक्त किए थे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Government has already noted it. Please take your seat.

... (Interruptions)

MR.SPEAKER: Shri Raghuvans Prasad, now, he is giving the reply.

>

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): अध्यक्ष महोदय, चर्चा में दो बातें आई हैं। एक बात यह कि बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में खाद की कमी है।

MR. SPEAKER: The State of Haryana is also there.

श्री नीतीश कुमारः महोदय, इसके संबंध में सम्बद्ध मंत्री को इसकी सूचना देंगे और वे इस क्षेत्र से संबंधित सांसदों के साथ बात कर लेंगे। जहां तक खाद के मूवमेंट का सवाल है, यह कहा गया है कि रेल में रैक्स की कमी है। मैं बताना चाहता हूं कि रैक्स की ऐसी कोई कमी नहीं है, जितने रैक्स की जरूरत है, उतने रैक्स उपलब्ध हैं। विज़ाक के पास जिन लोगों ने भी रैक्स की मांग की है, वहां तुरन्त उपलब्ध कराए गए हैं। मैं यह आश्वस्त करना चाहता हूं, जिनती लोडिंग कैपेसिटी है, उससे ज्यादा रैक्स की उपलब्धता है।

... (व्यवधान)

* Not Recorded

MR. SPEAKER: He already has answered it. Now, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: The Minister has already answered it. Now, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) *

MR. SPEAKER: We would now take up discussion on the High Denomination Bank Notes (Demonetisation) Bill. Shri Gehlot may please continue now.

श्री थावरचन्द गहलोत (शाजापुर): अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने एक हजार के नोट छापने से संबंधित जो विधेयक सदन में कल प्रस्तुत किया था, मैं उसका समर्थन करता हूं और इसके समर्थन में मैंने कल अपने कुछ विचार व्यक्त किए थे। .. (व्यवधान)

>

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में आज से पांच-सात दिन पहले स्वयं प्रधानमंत्री जी ने स्टेटमेंट दिया था।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this? The Minister is on his legs.

श्री मदन लाल खुरानाः अगले सप्ताह प्राकृतिक आपदा पर इस सदन में फुलफ्लेज़ड बहस हो रही है, अगर आप चाहें तो उसमें इनक्लुड कर सकते हैं।

... (व्यवधान)

आप पहले मेरी पूरी बात सुन लीजिए, उसके बाद आप बोलिए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let the Minister complete please.

श्री मदन लाल खुराना : मेरा कहना यह है कि आपने जो भावनाएं प्रकट की हैं मैं आज ही उसके लिए कृषि मंत्री जी से बात करूंगा और उनसे निवेदन करूंगा कि वह इस बारे में सदन को बताएं।

... (व्यवधान)

मैं कृषि मंत्री जी से कहूंगा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के बारे में विशेष ध्यान दें। मैं यह कहना चाहता हूं कि खाद की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी, जैसे कि प्रधानमंत्री जी ने कहा।

... (व्यवधान)

>

श्री राजेश पायलट (दौसा) : अध्यक्ष महोदय, मैं पंजाब से आ रहा हूं, कल मैं पटियाला में था।

... (व्यवधान)

पंजाब में आज भी किसान खाद के लिए तंग है, मैं खुद सुन कर आ रहा हूं।

... (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): टाई पहन कर किसान की बात नहीं होती, आप पहले धोती पहन कर आईए।

... (व्यवधान)

श्री राजेश पायलट :उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। महोदय मैं पंजाब से आ रहा हूं, किसानों ने जो बात कही वह मैं बता रहा हूं। प्रधानमंत्री जी ने यहां पर बयान दिया था, उन्होंने कहा था कि मेरा सचिवालय इसको मोनिटर करेगा। उनका शक दूर करने के लिए सरकार की ओर से एक बयान आना चाहिए कि हर प्रदेश की इतनी मांग थी और उनको इतना मिल गया, जिससे हम लोगों को कह सकें। यह बयान आज शाम तक सरकार की ओर से दे दिया जाए जिससे साइक्लोजिकल प्रासेप्शन ठीक हो जाए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Pilotji, it is sufficient.

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : वह शायद आज स्टेटमेंट न दे पाएं क्योंकि फेक्टस मंगवाने हैं।

... (व्यवधान)

मैं आपकी भावनाओं को मंत्री जी तक पहुंचा दूंगा। आज शाम को या कल वह स्टेटमेंट दे देंगे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Raghuvansh Prasad Singh, what is this? You are always disturbing the House?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Gehlot speaks.

(Interruptions)*